Haryana Vidhan Sabha Secretariat * Chandigarh *
LIBRARY

हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही

19 अगस्त, 2011

खण्ड 2 - अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 19 अगस्त, 2011

पृष्ठ संख्या

शोक प्रस्ताव (1) 1

33

96

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार 19 अगस्त, 2011

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में दोपहर 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कुलदीप शर्मा) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, Now the Chief Minister will make the obituary references.

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, सदन के पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में बहुत से महानुभाव जिनमें नेतागण, स्वतंत्रता सेनानी और शहीद हमारे को छोड़कर चले गए हैं इनमें एक हमारे भूतपूर्व मुख्यमंत्री भी हैं। मैं इन सभी का शोक प्रस्ताव सदन में रखता हूँ :--

श्री भजन लाल, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री भजन लाल के 3 जून, 2011 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 अक्तूबर, 1930 को बहावलपुर स्टेट, पाकिस्तान में हुआ था। उन्होंने अपना राजनैतिक जीवन एक पंच के रूप में शुरू किया तथा बाद में पंचायत समिति, हिसार के अध्यक्ष बने।

श्री भजन लाल सन् 1968, 1972, 1977, 1982, 1991, 1996, 2000 तथा 2005 में 9 बार हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए । वे सन् 1970 से 1975 तक प्रदेश में कृषि मंत्री और सन् 1978-79 के दौरान सहकारिता, डेरी विकास, पशुपालन, श्रम एवं रोजगार तथा वन मंत्री भी रहे। वे 28 जून, 1979 से 23 मई, 1982 तक, 23 मई, 1982 से 5 जून, 1986 तक तथा 23 जून, 1991 से 10 मई, 1996 तक तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

श्री भजन लाल सन् 1986 से 1989 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वे तीन बार सन् 1989, 1998 तथा 2009 में लोक सभा के सदस्य चुने गए। वे 21 अक्तूबर 1986 को केन्द्र में पर्यावरण एवं वन मंत्री तथा उसके बाद 14 फरवरी, 1988 को कृषि मंत्री बने और इस पद पर 1 दिसम्बर, 1989 तक रहे। सन् 2000 में वे हरियाणा विधान सभा में विपक्ष के नेता भी चुने गए।

एक विधायक, सांसद, केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, पार्टी अध्यक्ष के रूप में और विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने समर्पण की भावना तथा दूरदर्शिता के साथ लोगों की सेवा की। वे कई सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहे। पर्यावरण व वन्य जीव संरक्षण में उनकी गहरी रुचि थी। वे एक बड़े मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृति के व्यक्ति थे।

उनके निधन से देश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ, प्रखर राजनेता एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री दोरजी खांडू, अरूणाचल प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री

यह सदन अरूणाचल प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री दोरजी खांडू के एक ह्रदय विदारक हैलीकॉप्टर दुर्घटना में 30 अप्रैल, 2011 को हुए दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 19 मार्च, 1955 को अरूणाचल प्रदेश के जिला तवांग में हुआ। उन्होंने एक सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में अपना राजनैतिक जीवन शुरू किया और बाद में सन् 1980 में सक्रिय राजनीति से जुड़े । वे अरूणाचल प्रदेश के कई विभागों के मंत्री रहे तथा बाद में मुख्यमंत्री भी बने। वह पांच बार सन् 1990, 1995, 1999, 2004 व 2009 में अरूणाचल प्रदेश विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह पहली बार अप्रैल 2007 में तथा उसके बाद अक्तूबर 2009 में अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

उनके निधन से देश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री चरण दास शोरेवाला, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री चरण दास शोरेवाला के 3 जुलाई, 2011 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 सितम्बर, 1928 को कैथल में हुआ। वह सन् 1972 तथा 1996 में दो बार हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह सन् 1997 से 1999 तक हरियाणा मंत्रिमंडल में मंत्री रहे। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता थे तथा अनेक सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

राव मान सिंह, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य राव मान सिंह के 12 मई, 2011 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 दिसम्बर, 1933 को गांव मीरपुर, जिला महेन्द्रगढ़ में हुआ। वे सन् 2001 में राज्य सभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। उनकी खेलों के प्रति गहरी रूचि थी। वे हरियाणा अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता थे।

उनके निधन से देश एक प्रखर सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री धर्मपाल सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री धर्मपाल सिंह के 3 जून, 2011 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 जून, 1950 को गांव सिधपुर, जिला करनाल में हुआ। वह 2000-2005 के दौरान हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता थे और उन्होंने हमेशा गरीब लोगों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में अपना अतुल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार है :

1. श्री जय करण, गांव गढ़ी उजाले खां, जिला सोनीपत।
2. श्री सुरजा राम, गांव ढुकड़ा, जिला सिरसा।
3. श्री सूरजमल, गांव फिरोजपुर बांगर, जिला सोनीपत।
4. श्री राम स्वरूप, गांव कागदाना, जिला सिरसा।
5. श्री जय लाल, गांव खेड़ी होशियारदपुर, जिला झज्जर।
6. श्री हीरा लाल, गांव घोषगढ़, जिला गुड़गांव।
7. श्री जसवन्त सिंह, गांव खारवन, जिला यमुनानगर।
8. श्री दलीप सिंह, गांव हसनगढ़, जिला हिसार।
9. श्री राम सिंह, गांव सलीमसर माजरा, जिला सोनीपत।
10. श्री बाबू नन्द, नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़।
11. श्री माडू राम, गांव नांगल स्यालू, जिला महेन्द्रगढ़।
12. श्री सूरत सिंह, गांव चमराड़ा, जिला पानीपत।
13. श्री मनफूल सिंह, गांव डीघल, जिला झज्जर।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता है और उनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने मातृभूमि की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और अदभुत शौर्य का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार है :

1. कैप्टन मोहित हुड्डा, अम्बाला।
2. सूबेदार मेजर मांगेराम, गांव घसौला, जिला भिवानी।
3. सूबेदार विजेन्द्र सिंह, गांव आदमपुर डाढ़ी, जिला भिवानी।
4. सूबेदार बलबीर सिंह, गांव झांवरी, जिला भिवानी।
5. सूबेदार मेहर चन्द, गांव ढ़ाणी मांजिया, जिला महेन्द्रगढ़।
6. सूबेदार श्री भगवान, गांव भडंगी भैरामपुर, जिला रेवाड़ी.
7. नायब सूबेदार सतबीर सिंह, गांव खिजरपुरा, जिला कुरुक्षेत्र।
8. उप-निरीक्षक प्रताप सिंह, गांव जसिया, जिला रोहतक।
9. हवलदार राम सिंह, गांव धिराणा कलां, जिला भिवानी
10. हवलदार विश्वामित्र, गांव आकोदा, जिला महेन्द्रगढ़।
11. हवलदार राजेन्द्र सिंह, गांव फुलवाड़ी, जिला पलवल।
12. हवलदार राज कुमार, गांव माजरा कलां, जिला महेन्द्रगढ़।
13. हवलदार महाबीर सिंह, गांव मुंढाल खुर्द, जिला भिवानी।
14. हवलदार सुरेश कुमार, गांव कन्हेली, जिला रोहतक।
15. नायक कमलजीत सिंह, गांव रजौली, जिला अम्बाला।
16. लांस नायक गुरविन्द्र सिंह, गांव कोड़वा खुर्द, जिला अम्बाला।
17. सिपाही राजेश कुमार, गांव नीमड़ी, जिला भिवानी।
18. सिपाही राधाकृष्ण, गांव बवानियां, जिला महेन्द्रगढ़।
19. सिपाही पाला राम, गांव चिंडालिया, जिला महेन्द्रगढ़।
20. सिपाही मनोज कुमार, गांव मन्दौला, जिला रेवाड़ी।
21. सिपाही जय सिंह, गांव नांगल शहबाजपुर, जिला रेवाड़ी।
22. सिपाही जय किशन, गांव ढोरका, जिला गुड़गांव।
23. सिपाही सतबीर सिंह, गांव मसूदपुर, जिला हिसार।

यह सदन इन वीर सपूतों की शहादत को शत-शत नमन करता है, जिन्होंने अभूतपूर्व साहस का परिचय देते हुए मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया। यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

विमान तथा रेल दुर्घटना

यह सदन 25 मई, 2011 को फरीदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में तथा 10 जुलाई, 2011 को उत्तर प्रदेश के मलवां रेलवे स्टेशन के निकट हुई रेल दुर्घटना में मारे गए निर्दोष लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मुम्बई में बम विस्फोट

यह सदन 13 जुलाई, 2011 को मुम्बई में हुए बम विस्फोटों में मारे गए निर्दोष लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। आतंकवादियों की यह एक कायरतापूर्ण तथा नीच हरकत थी। उन्होंने इस घटना द्वारा समाज में कटुता की भावना पैदा करने का दुसाहस किया है। यह देश अपनी एकता और अखण्डता को तोड़ने वाले ऐसे समाज विरोधी तत्वों के नापाक इरादों को असफल करने के लिए एकजुट होकर खड़ा है।

यह सदन आतंकवादियों के इन जघन्य कृत्यों की कड़ी निन्दा करता है और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के वित्त मंत्री श्री हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा के बहनोई श्री हरबंस सिंह;

मुख्य संसदीय सचिव श्रीमती अनीता यादव के भाई श्री जसवन्त सिंह तथा चाचा ससुर श्री खेम चन्द;

मुख्य संसदीय सचिव श्री विनोद भ्याणा की माता श्रीमती शकुन्तला देवी;

विधायक श्री कली राम के पिता श्री देई राम;

विधायक श्री राजपाल भूखड़ी के पिता श्री पन्नू राम;

पूर्व मंत्री श्री जगदीश नेहरा के भतीजे श्री छोटू राम;

पूर्व मंत्री श्री हर्ष कुमार की माता श्रीमती शोभना देवी;

पूर्व विधायक श्री भरत सिंह की माता श्रीमती रामरती देवी; तथा

पूर्व विधायक श्री दुर्गा दत्त अत्री की माता श्रीमती परमेशवरी देवी के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा (थानेसर) : स्पीकर सर, सदन के नेता ने जो सदन में शोक प्रस्ताव रखा है मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से उसमें शामिल होता हूँ। स्पीकर सर, श्री भजन लाल जी भूतपूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा बहुत लम्बे समय तक इस हाउस के सदस्य भी रहे और हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वे केन्द्र में मंत्री भी रहे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने बताया है कि वे 9 बार इस सदन के सदस्य रहे वे लोक सभा के सदस्य चुने गये तथा राज्यसभा के सदस्य भी रहे। उनके जाने से पूरे प्रदेश की राजनीति में एक खालीपन आया है। वे एक नेक इन्सान थे। उनमें

[श्री अशोक कुमार अरोड़ा]
सबसे बड़ी खूबी यह थी कि यदि कितने भी कड़वे शब्द उनके बारे में किसी ने कहे तो उन्हें वे बड़े नर्म स्वभाव से टाल देते थे। उनके निधन से प्रदेश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से अरूणाचल प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री दोरजी खाण्डु जिनका एक हैलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया था, उनके निधन से देश एक राजनीतिज्ञ एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, श्री चरणदास शोरेवाला जो हरियाणा प्रदेश के भूतपूर्व मंत्री रहे। वे इस हाउस के सदस्य भी रहे। मुझे भी उनके साथ काम करने का मौका मिला। वे एक सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। कैथल शहर के अन्दर शिक्षा का प्रचार करने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उनके जाने से जहां आज हरियाणा प्रदेश एक कुशल विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है वहीं एक समाजसेवी की सेवाओं से भी वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

भूतपूर्व संसद सदस्य राव मान सिंह जी राज्यसभा के सदस्य थे। उन्होंने एक पुलिस अधिकारी के रूप में इस प्रदेश की सेवा की। उनकी खेलों में भी रूचि थी। वह अपने आप में एक नेक इंसान थे। उनके निधन पर आज यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट कर रहा है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भी दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री धर्मपाल सिंह इस हाउस के सदस्य और हमारे साथी थे। वे बहुत ही नेक इंसान थे। उनके बारे में ऐसा कहा जाता है कि वे एक व्यक्ति थे जो एक छोटे से परिवार से उठकर राजनीति में आए। वे एक सरल हृदय के व्यक्ति थे। उनके परिवार के साथ भगवान ने बहुत अन्याय किया। पहले उनके दो बेटों की मृत्यु हो गई फिर उनकी पत्नी की मृत्यु हुई और अब उनकी स्वयं की मृत्यु हो गई। दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति आज सारा सदन अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट कर रहा है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भी शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं जिन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इनके नाम हाउस के नेता ने रखे हैं जो इस प्रकार हैं - श्री जय करण, गांव गढ़ी उजाले खां, जिला सोनीपत, श्री सुरजा राम, गांव ढुकड़ा, जिला सिरसा, श्री सूरजमल, गांव फिरोजपुर बांगर, जिला सोनीपत, श्री राम स्वरूप, गांव कागदाना, जिला सिरसा, श्री जय लाल, गांव खेड़ी होशियारपुर, जिला झज्जर, श्री हीरा लाल, गांव घोषगढ़, जिला गुड़गांव, श्री जसवन्त सिंह, गांव खारवन, जिला यमुनानगर, श्री दलीप सिंह, गांव हसनगढ़, जिला हिसार, श्री राम सिंह, गांव सलीमसर माजरा, जिला सोनीपत, श्री बाबू नन्द, नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, श्री माडू राम, गांव नांगल स्यालू, जिला महेन्द्रगढ़, श्री सूरत सिंह, गांव चमराड़ा, जिला पानीपत, श्री मनफूल सिंह,

गांव डीघल, जिला झज्जर। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन करता हूँ और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं, जिन्होंने मातृभूमि की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और अद्भुत शौर्य का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन महान् वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं : कैप्टन मोहित हुड्डा, अम्बाला, सूबेदार मेजर मांगेराम, गांव धसौला, जिला भिवानी, सूबेदार विजेन्द्र सिंह, गांव आदमपुर डाढ़ी, जिला भिवानी, सूबेदार बलबीर सिंह, गांव झांवरी, जिला भिवानी, सूबेदार मेहर चन्द, गांव ढ़ाणी मांजिया, जिला महेन्द्रगढ़, सूबेदार श्री भगवान, गांव भडंगी भैरामपुर, जिला रेवाड़ी, नायब सूबेदार सतबीर सिंह, गांव खिजरपुरा, जिला कुरुक्षेत्र, उप-निरीक्षक प्रताप सिंह, गांव जसिया, जिला रोहतक, हवलदार राम सिंह, गांव धिराणा कलां, जिला भिवानी, हवलदार विश्वामित्र, गांव आकोदा, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार राजेन्द्र सिंह, गांव फुलवाड़ी, जिला पलवल, हवलदार राज कुमार, गांव माजरा कलां, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार महाबीर सिंह, गांव मुंढाल खुर्द, जिला भिवानी, हवलदार सुरेश कुमार, गांव कन्हेली, जिला रोहतक, नायक कमलजीत सिंह, गांव रजौली, जिला अम्बाला, लांस नायक गुरविन्द्र सिंह, गांव कोड़वा खुर्द, जिला अम्बाला, सिपाही राजेश कुमार, गांव नीमड़ी, जिला भिवानी, सिपाही राधाकृष्ण, गांव बवानियां, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही पाला राम, गांव चिंडालिया, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही मनोज कुमार, गांव मन्दौला, जिला रेवाड़ी, सिपाही जय सिंह, गांव नांगल शहबाजपुर, जिला रेवाड़ी, सिपाही जय किशन, गांव ढोरका, जिला गुड़गांव, सिपाही सतबीर सिंह, गांव मसूदपुर, जिला हिसार। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन वीर सपूतों की शहादत को शत्-शत् नमन करता हूँ, जिन्होंने अभूतपूर्व साहस का परिचय देते हुए मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से 25 मई, 2011 को फरीदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में तथा 10 जुलाई, 2011 को उत्तर प्रदेश के मलवां रेलवे स्टेशन के निकट हुई रेल दुर्घटना में मारे गए निर्दोष लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से 13 जुलाई, 2011 को मुम्बई में हुए बम विस्फोटों में मारे गए निर्दोष लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। आतंकवादियों की यह एक कायरतापूर्ण तथा नीच हरकत थी। उन्होंने इस घटना द्वारा समाज में कटुता की भावना पैदा करने का दुःसाहस किया है। यह देश अपनी एकता और अखण्डता को तोड़ने वाले ऐसे समाज विरोधी तत्वों के नापाक इरादों को असफल करने के लिए एक जुट होकर खड़ा है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से आतंकवादियों के इन जघन्य कृत्यों की कड़ी निन्दा करता हूँ और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के वित्त मंत्री श्री हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा के बहनोई श्री हरबंस सिंह; मुख्य संसदीय सचिव श्रीमती अनीता यादव के भाई

[श्री अशोक कुमार अरोड़ा]

श्री जसवन्त सिंह तथा चाचा ससुर श्री खेम चन्द, मुख्य संसदीय सचिव श्री विनोद भ्याणा की माता श्रीमती शकुन्तला देवी, विधायक श्री कली राम के पिता श्री देई राम, विधायक श्री राजपाल भूखड़ी के पिता श्री पन्नू राम, पूर्व मंत्री श्री जगदीश नेहरा के भतीजे श्री छोटू राम, पूर्व मंत्री श्री हर्ष कुमार की माता श्रीमती शोभना देवी, पूर्व विधायक श्री भरत सिंह की माता श्रीमती रामरती देवी तथा पूर्व विधायक श्री दुर्गा दत्त अत्री की माता श्रीमती पनमेशवरी देवी के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसके साथ ही साथ हमारे मुख्य संसदीय सचिव श्री सुल्तान सिंह जी के ससुर का देहांत हुआ है उनका नाम भी इस शोक लिस्ट में शामिल किया जाये। इसके अतिरिक्त यमुनानगर में बस दुर्घटना में कालेज के 13 बच्चे और दूसरे लोग मारे गये थे उनके नाम भी इस शोक लिस्ट में शामिल किए जाएं। इसके अतिरिक्त होडल विधान सभा क्षेत्र के गांव श्रीनगर, जिला पलवल में श्री राम कॉलेज की बिल्डिंग के नीचे दबकर 9 आदमी मारे गये उनके नाम भी इस शोक लिस्ट में शामिल किये जाएं।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

P.W.D. (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Hon'ble Members, Shri Bhim Singh Malik elder brother of Shri Kulbir Singh Malik, former Deputy Speaker also expired on 23rd March, 2011, so his name is also included in the obituary references.

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, इस नश्वर संसार में जो प्राणी आता है वह जाता जरूर है। "यद्रिष्टम तत निष्टम" यह प्रकृति का सिद्धांत है। जीवन मौत की अमानत है लेकिन जीवन से मृत्यु के बीच में जो लोग अपने कर्मों से कुछ ऐसे काम कर जाते हैं जिनके पद चिन्ह आने वाली पीढ़ियों के लिए निशान बन जाते हैं। ऐसे जो महानुभाव एक सत्र से दूसरे सत्र के बीच में इस दुनियां को छोड़कर चले गये उनके बारे में सदन के नेता ने शोक प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किया है। इस शोक प्रस्ताव में जितने भी नाम प्रस्तुत किए हैं उन सब के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

चौधरी भजन लाल जी तीन बार हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और लगभग 9 बार विधान सभा के लिए चुने गए। इसके अतिरिक्त वे लोक सभा और राज्य सभा के भी सदस्य रहे। वे अनेकों बार प्रदेश में और केन्द्र में मंत्री भी रहे। उनका एक लम्बा राजनैतिक जीवन और अनुभव था। वे एक सहनशील व्यक्ति थे। मैं भी उनके साथ इस सदन का सदस्य रहा। वे अपने हर आदमी की बात को बड़े ध्यान से सुनते थे और विपरित परिस्थितियों में भी अपने मनोबल को खराब नहीं करते थे। उनके निधन से प्रदेश को असहनीय नुक्सान हुआ है। मैं परमपिता परमात्मा से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूँ और उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री दोरजी खांडू, अरूणाचल प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं और दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री चरण दास शोरेवाला, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री जी के निधन पर भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। मुझे भी उनके साथ काम करने का अवसर मिला। जैसा अरोड़ा जी ने बताया कि वे राजनेता के साथ-साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। उनके निधन से प्रदेश को बहुत नुक्सान हुआ है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

राव मान सिंह, भूतपूर्व संसद सदस्य और श्री धर्मपाल सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन पर भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं और दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ-साथ मैं हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारे देश की आजादी में अदम्य साहस का योगदान दिया और अपने जीवन का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। स्वतंत्रता सेनानियों की वजह से आज हम देश में आजाद होकर घूम रहे हैं और आजादी का आनंद उठा रहे हैं। सदन के नेता ने जिन स्वतंत्रता सेनानियों का नाम लिया है मैं भी उनको अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से शत्-शत् नमन करता हूं और उनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसके अतिरिक्त हरियाणा के शहीद जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए देश की सीमाओं पर या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अपना बलिदान दिया ताकि हम सुख-चैन की जिन्दगी जी सकें उनके साथ-साथ जिन नामों का जिक्र माननीय मुख्यमंत्री ने किया है मैं उन सभी के लिए भी अपने दल की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। इसी प्रकार से विमान तथा रेल दुर्घटनाओं में भी जो लोग शहीद हुए हैं और जो लोग मुम्बई बम विस्फोट में मारे गये हैं उनके लिये भी मैं अपने दल की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। इसके साथ-साथ माननीय संसदीय कार्य मंत्री और श्री अशोक कुमार अरोड़ा जी द्वारा जो नाम लिये गये हैं मैं उन सभी के लिए भी अपने दल की ओर से संवेदना प्रकट करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। जो शोक-प्रस्ताव सदन के नेता ने प्रस्तुत किया है मैं उसमें अपने दल को भी सम्मिलित करता हूँ।

श्री कुलदीप बिश्नोई (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक-प्रस्ताव प्रस्तुत किया है मैं भी अपनी ओर से उसका समर्थन करता हूं। इसमें दर्शाया गया है कि महान् जननायक चौधरी भजन लाल 8 बार विधायक रहे जबकि सदन को पता होना चाहिये कि वे 9 बार इस महान् सदन के सदस्य रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में सम्पन्न आदमपुर विधानसभा के उप-चुनाव में भी जीत हासिल की थी। (शोर एवं व्यवधान) इसमें करैक्शन होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, it is a typographical correction and it can be done. I think it is not a matter of debate. (Interruption)

Mr. Speaker : Mr. Bishnoi, it is a solemn occasion. We are paying tributes to a great leader and son of Haryana. It cannot be controversial. It can be corrected. You cannot make things controversial. (Interruption) Do not make this solemn occasion so controversial. It is an obituary reference.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : स्पीकर सर, सम्मानित सदस्य श्री कुलदीप बिश्नोई जी ने जो गलती प्लायंट आउट की है उसे ठीक करवा दिया जायेगा।

Mr. Speaker : Mr. Bishnoi, we will have it corrected. Please continue.

श्री कुलदीप बिश्नोई : अध्यक्ष महोदय, जननायक चौधरी भजन लाल जी एक बेजोड़ नेता थे उनके मुकाबले का कोई दूसरा नेता नहीं होगा जिन्होंने पूरी स्टेट के अन्दर सभी बिरादरियों का सम्मान किया और प्रदेश के सभी इलाकों के एक समान विकास के लिये काम करवाये जिसकी वजह से आज चौधरी भजन लाल जी जननायक के रूप में जाने जाते हैं। उनके बारे में सम्मानित बात इस सदन में रखी जानी चाहिए थी। मैं अपनी ओर से उनके लिए श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। इसके अतिरिक्त श्री दोरजी खाण्डू, भूतपूर्व मुख्यमंत्री, अरूणाचल प्रदेश, श्री चरण दास शोरेवाला, हरियाणा प्रदेश के भूतपूर्व मंत्री, राव मान सिंह, भूतपूर्व सांसद, श्री धर्मपाल सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी, हरियाणा के शहीद, विमान व रेल दुर्घटना में मारे गये लोगों, मुम्बई बम विस्फोट में मारे गये लोगों एवं जो नाम श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा लिया गया और जो नाम श्री अशोक कुमार अरोड़ा जी ने लिये हैं उन सभी के प्रति मैं अपनी ओर से हार्दिक संवेदना के साथ श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों को इस असह्य दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। धन्यवाद।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन की एक प्रथा रही है कि जब भी सदन की बैठक में हरियाणा प्रदेश के किसी भूतपूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तो शोक-प्रस्ताव के बाद उस दिन के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। जिस प्रकार से चौधरी देवी लाल जी और चौधरी बंसी लाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था इसी प्रकार से आज हम चौधरी भजन लाल जी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं जो लम्बे समय तक इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और उन्होंने अनेक प्रकार से प्रदेश की सेवा की इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आज भी शोक-प्रस्ताव की समाप्ति पर उनके सम्मान में सदन की कार्यवाही को आज के लिए स्थगित कर दिया जाए।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I associate myself with the Obituary References made by the Hon'ble Chief Minister and the feelings expressed by other Members of this august House. During the last session and the present session, many renowned personalities have passed away.

I feel deeply grieved on the sad demise of Shri Bhajan Lal Ji, former Chief Minister of Haryana; Shri Dorjee Khandu, former Chief Minister of Arunachal Pradesh; Shri Charan Dass Shorewala, former Minister of Haryana; Rao Man Singh, former Member of Parliament; Shri Dharampal Singh, former Member of Haryana Legislative Assembly; all Freedom Fighters mentioned by the Leader of the House and other Members in the Obituary References, Martyrs of Haryana, innocent persons who lost their lives in Plane crash, Rail tragedy & Mumbai Bomb-blasts and relatives of the Finance Minister, Chief Parliamentary Secretaries, Former Deputy Speaker, Members of Haryana Vidhan Sabha, Ex-Ministers and Ex-MLAs of Haryana, whose names have been mentioned by the Hon'ble Chief Minister. The Obituary References added by Shri Ashok Kumar Arora, Hon'ble Member of the House may also be included in the Obituary References.

Shri Bhajan Lal Ji was a Veteran Parliamentarian, and an able Administrtor, who guided the destiny of State as its Chief Minister for nearly 12 years. He was elected to this House for 9 times. He also remained Cabinet Minister twice in Haryana Government. He was also elected once to Rajya Sabha, thrice to Lok Sabha and

twice served as various capacities as Union Minister. He was a distinguished leader, who started his career from the level of a village Panch and rose up-to the level of a Union Minister. It is really creditable. He possessed distinguished qualities of good head and heart.

Shri Dorjee Khandu was a great social worker. He was elected to Arunachal Pradesh Legislative Assembly for five times and also served his State as Chief Minister of Arunachal Pradesh for two terms. He was a seasoned Parliamentarian and an able Administrator.

Rao Man Singh ji was a Member of Raja Sabha. He served the State as Chairman of Subordinate Services Selection Board. As a parliamentarian he distinguished himself.

Shri Dharampal Singh was once elected to this House and was a dedicated social worker, who was committed for the welfare of weaker sections of the society.

The freedom fighters and Martyrs whose names have been mentioned in the Obituary References, are always remembered by the society due to their selfless service to the society and deep love for the country and countrymen.

Many innocent persons have also lost their lives in Plane crash, Rail tragedy and Mumbai Bomb-blasts. Their deaths have caused irreparable loss to the country as well as their families.

We have lost our many dears and nears and their absence will be felt by all of us for a long time.

I pray to Almighty to give peace to the departed souls. I will convey the feelings of this House to the members of the bereaved families. Hon'ble Members now, I would request all of you to kindly stand up to pay homage as a mark of respect to the departed souls for two minutes.

(At this stage, the House stood in silence for two minutes to pay homage as a mark of respect to the departed souls.)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, as suggested by the Leader of the House and supported by other Members as also it has been tradition of this House. This House with the sense of the House, is adjourned for the day as a mark of respect to the memory of late Ch. Bhajan Lal Ji, former Chief Minister of Haryana and the other dignitaries mentioned in the Obituary References. The business entered in the list for today shall be taken up on 23rd August, 2011 at 2.00 p.m.

Now, the House is adjourned till 2.00 P.M. on 23rd August, 2011.

*14.37 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M., Tuesday, the 23rd August, 2011.)